

अतः अस्थायी निषेधाज्ञा ~~बिना~~

अपराधीगण इस आशय की जा रही की जाती है
कि आर्य समाज की इमारतों की छतों पर
जहाँ 253 से लगभग 257 कुल संख्या 9-30 हजार
में अपराधीगण के कब्जे का इतना कारत में न स्वयं देख सकें
करने न ही देखी। एजेन्ट करना। अपराधीगण के कब्जे
कारत की शक्ति का केवान इलाकारण में स्वयं कर
न ही अन्य कारत हेतु बाद के निमित्त अपराधीगण
को रोकना जाता है। प्रभावहीन इसी कारत के लक्ष्य शून्य
दोकर इस बाद के साथ जल्दी किया जावे।

दिनांक, निकटस्थ इलाका

अपराधी अधिकारी
SPD
देसूरी (पाली)